व्यक्ति आत्ममुखी बनने का प्रयास करे – युवाचार्यश्री महाश्रमण

बीदासर, 27 मार्च।

''व्यक्ति हमारा मुंह विभिन्न दिशाओं में हो जाता है। चार दिशा प्रसिद्ध है – पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण। एक अवधारणा है कि पूर्वाभिमुख व उत्तराधिमुख होकर बैठना अच्छा माना जाता है। दक्षिणाभिमुख होकर बैठना अच्छा नहीं माना जाता है। व्यक्ति यह चिंतन करे कि मेरे भाव शुद्ध हैं और सभी दिशाएं मेरी मित्र है तो किसी भी दिशा में मुंह करके बैठ जाएं तो कोई फर्क नहीं पड़ता। उसी प्रकार आदमी के भाव विभिन्न प्रकार के होते हैं, उनके अनुसार आदमी किसी ओर सम्मुख हो जाता है। एक बच्चे का मुंह मां की ओर रहता है। मातृमुख बच्चा बना रहता है और उसके लिए सबकुछ मां होती है। मां का भी बड़ा महत्त्व है। मां का बड़ा उपकार होता है। बच्चे का ध्यान मां की ओर ज्यादा रहता है और मां भी स्वयं कष्ट पाकर अपने बच्चे को सुख में रखने का प्रयास करती है। बचपन में बच्चा मातृमुख होता है।''

उक्त विचार युवाचार्य श्री महाश्रमणजी ने तेरापंथ भवन में जनसमुदाय को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

युवाचार्यप्रवर ने फरमाया कि बचपन के बाद जब युवाअवस्था आती है और शादी के बाद व्यक्ति का मुख पत्नी की ओर हो जाता है। बुढापा आ जाता है फिर आदमी का ध्यान अथवा मुख बेटे या पोते की ओर हो जाएगा। आदमी का मुख सबओर मुख हो गया है किंतु भीतर की ओर आदमी का मुंह नहीं होता है व्यक्ति अपने भीतर की ओर झांकने का प्रयास करे अर्थात् आत्ममुख वाला बने।

युवाचार्यप्रवर ने फरमाया कि व्यक्ति साधक बन जाए तो उसका मुंह पदार्थों की ओर नहीं, मां की ओर नहीं, पत्नी की ओर नहीं, पुत्रों, पौत्रों की ओर नहीं किंतु अब उसका मुख आत्मा की ओर हो जाए तुम आत्ममुख बने रहो जिससे तुम्हारा कल्याण हो सकता है।

युवाचार्यश्री ने हिन्दी महीने के नये वर्ष के प्रवेश पर फमरमया कि विक्रम संवत 2065 जो कल तक वर्तमान था आज वह अतीत हो चुका है और 2066 जो कल तक अनागत वर्ष था आज वह वर्तमान हो चुका है। समय व्यतीत होता है और इस काल के चक्र में एक–एक वर्ष जा रहा है। एक वर्ष गया तो हम यह भी सोचें कि हमारे जीवनकाल का भी एक वर्ष कम हो गया है। जितने भी जीवनकाल के वर्ष हैं उनमें एक कम हो गया है। आदमी वर्ष के बारे में यह सोचे कि मुझे इस वर्ष में क्या करना है समय को सामने से पकड़ें तो बहुत सार्थकता हो सकती है।

भाजपा नेताओं ने किया आचार्य महाप्रज्ञ के दर्शन

बीदासर, 27 मार्च।

गुरुवार की रात्रि को भारतीय जनता पार्टी के भाजपा प्रत्यासी श्रीरामसिंह कस्वां, पूर्व सार्वजनिक निर्माणमंत्री एवं तारानगर विधायक श्रीराजेन्द्रसिंह राठौड़, पूर्व खनिज राज्यमंत्री श्रीखेमाराम मेघवाल, सरदारशहर विधायक श्रीअशोक पींचा, भाजपा चुरू जिला अध्यक्ष श्रीओमप्रकाश सारस्वत, मण्डल अध्यक्ष श्रीकन्हैयालाल बैंगानी, श्री संपतमल बैद, पार्षद श्री मेहराज उलहसन छिंपा, चुरू जिला उपाध्यक्ष श्री बजरंग गुर्जर एवं जिला महामंत्री श्री पंकज गुप्ता सहित अनेक भाजपा कार्यकर्त्ताओं ने तेरापंथ भवन में विराजित आचार्यश्री महाप्रज्ञ से दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर आचार्यश्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष श्री बाबूलाल सेखानी एवं समिति के सदस्यों ने आगतुंक महानुभावों का स्वागत किया।

– अशोक सियोल